## वार्तालाप नं. 555, दिनांक 26.04.08, पोलैण्ड पार्टी
## Disc.CD No.555, dated 26.04.08, Poland Party

**समयः 04.20-05.50 36**

**जिज्ञासुः** मेरा प्रश्न प्योरिटी से संबंधित है। यह किस प्रकार तत्वों को, प्रकृति को, पांच तत्वों को प्रभावित करती है? .... जब आत्मा पवित्र है, तो यह पवित्रता प्रकृति को, तत्वों को कैसे अंतरित होती है?

**बाबाः** वायब्रेशन्स के द्वारा।

**जिज्ञासुः** साथ ही जब आत्मा पवित्र बन रही है, तब क्या वायब्रेशन्स द्वारा भी वह दूसरों के मन की स्थिति को प्रभावित करती है?

**बाबाः** ठीक है।

**Time: 04.20-05.50**
**Student:** My question is about purity. How this influences the matter, the nature, the five elements? ... When the soul is pure, how is this purity transferred to nature, to matter?
**Baba:** Through vibrations.
**Student:** Also when the soul is becoming pure, then does it influence the stage of the mind of others?
**Baba:** It is correct.

**समयः 06.45-08.10**

**जिज्ञासुः** १९३७ से पहले, शिवबाबा, परमात्मा परमधाम में बीजरूप स्टेज में होते हैं। वहाँ क्या आपको पता होता है कि इस दुनिया में क्या हो रहा है या आपको किसी तरह पता चल जाता है कि क्या हो रहा है?

**बाबाः** जरूरत ही नहीं।

**जिज्ञासुः** बाबा वहाँ क्या करते हैं?

**बाबाः** करना तो तब होता है जबकि हाथ, पांव, नाक, आँख, कान हों, इन्द्रियां हो, शरीर हो। जब शरीर है ही नहीं तो करने की बात कहाँ पैदा होती है? कर्मेन्द्रियां होंगी तो करेगा।

**Time: 06.45-08.10**
**Student:** Before 1937, Shivbaba, the Supreme Soul (*Parmatma*) is in the seed form stage in the Supreme Abode (*Paramdham* ). So, do you know what is going on in this world or do you somehow follow what's going on?
**Baba:** There is no need [to know it] at all.
**Student**: What does Baba do there?
**Baba:** Something is done when there are arms, legs, nose, eyes, ears, organs [and] body. When the body does not exist at all, then the question of doing something does not arise at all. He will do something when He has organs of action (*karmendriya*).



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**समयः 08.20-10.00**

**जिज्ञासुः** एक और प्रश्न है कि जब रात होती है और हम सो रहे होते हैं, स्वप्न देख रहे होते हैं, तो हमारी आत्मा का क्या होता है? क्या यह शरीर के अंदर होती है या क्या यह चारों तरफ भटकती है?

**बाबाः** शरीर दो तरह के होते हैं। आत्माओं को दो तरह के शरीर हैं। एक है सूक्ष्म शरीर और एक है ये स्थूल शरीर। स्थूल शरीर तो यहाँ रहता ही रहता है। लेकिन स्थूल शरीर में रहते-रहते आत्मा सूक्ष्म शरीर के द्वारा इधर-उधर उड़ जाती है। सूक्ष्म शरीर मन से कनेक्टेड है।

**जिज्ञासुः** फिर हम बुरे सपनों से कैसे बच सकते हैं? ....

**बाबाः** अच्छे संकल्पों के द्वारा।

**Time: 08.20-10.00**

**Student:** Another question is when there is night and we are sleeping, dreaming, then what is going on with our *atma* (soul)? Does it stay within the body or does it wander around?

**Baba:** There are two kinds of bodies. Souls have two kinds of bodies. One is a subtle body and the other is this physical body. The physical body remains here anyway. But while living in the physical body, the soul flies here and there through the subtle body. The subtle body is connected with the mind.

**Student:** Then how to prevent bad dreams? …

**Baba:** Through good thoughts.

**समयः 10.05-11.20**

**जिज्ञासुः** उन विदेशियों के लिए जो भारत से दूर रहते हैं, हम यहाँ बार-बार नहीं आ सकते हैं और बाबा से मिल नहीं सकते ।फिर क्या ऐसा होता है कि जब हमारी स्थिति १०० प्रतिशत एकरस हो जाएगी और जब हम ज्यादा से ज्यादा अव्यक्त बनते जाएंगे तब हम दूर होते हुए भी वायब्रेशन्स द्वारा आपके बहुत नज़दीक होंगे?

**दूसरा जिज्ञासुः** तो क्या फर्क नहीं पड़ता है कि वो इतना दूर है?

**बाबाः** बिल्कुल नहीं।

**जिज्ञासुः** अच्छी बात है।

**Time: 10.05-11.20**

**Student:** For those foreigners who live far away from *Bhaarat*, we cannot be here very often and meet Baba. Then is it like this that when our stage is 100% stabilized and we are becoming more and more *avyakt* then even though we are far away we are very close to you through vibrations?

**Another student**: Then doesn't it matter if he is very far away?

**Baba:** Certainly not.

**Student:** That's good.



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**समयः** 11.28-13.40

**जिज्ञासुः** जब आत्मा अपने पूरे ८४ जन्मों की कहानी जान जाएगी तो उसके क्या परिणाम होंगे? उसका क्या परिणाम होगा? इससे प्रगति या विकास पर क्या प्रभाव पड़ेगा?

**बाबाः** रोटेशन का पता चल जाता है। साइकिल का पता चल जाता है। ऐसा संकल्प चलाएंगे तो ऐसा जन्म मिलेगा। ऐसा संकल्प चलाएंगे तो ऐसा जन्म मिलेगा। ज्ञान मिल जाता है अच्छे कर्मों का, बुरे कर्मों का। अच्छे कर्मों का ज्ञान मिल जाता है तो हमें पता चलता है कि इस तरह की बातें करने से इस तरह का काम करने से हमको इस तरह का फल मिलेगा तो ८४ जन्मों के फाउन्डेशन में भी अंतर पड़ जाता है। मन के संकल्प जो हैं वो बीज हैं। और कर्म फल हैं।

**Time: 11.28-13.40**

**Student:** What would be the consequences or results when *atma* (soul) will recognize its all 84, all incarnations? What would be the result? How this influences the progress or development?

**Baba:** We come to know about the rotation. We come to know of the cycle. If we create such thoughts we will get such births. If we create thoughts like this we will get such birth. We get the knowledge of good and bad actions. When we get the knowledge of good actions, we come to know that we will get such results/fruits when we speak this way or perform such tasks, then it will make a difference in the foundation of 84 births as well. The thoughts of the mind are seeds. And the actions are its fruits.

**समयः** 21.20-27.40

**जिज्ञासुः** ......मेरे ससुर जानते हैं कि मैं यहाँ आई हूँ और वो मुझसे यह आशा रखते हैं कि जब मैं वहाँ लौटूंगी तो उन्हें यह बताउंगी कि मैंने क्या अनुभव किया, मैंने क्या सीखा? जब मैं वहां जाऊंगी तो मुझे उन्हें सबसे पहले क्या संदेश देना चाहिए?

**बाबाः** लौकिक संबंधी जो हैं वो बीके में चल रहे हैं। उन बीके में चलने वाले लौकिक संबंधियों के प्रति क्या संदेश होना चाहिए?

**जिज्ञासुः** जी, हाँ।

**Time: 21.20-27.40**

**Student:** …. My father-in-law knows that I am here and he expects me, when I am back, to tell him what I have experienced, what I have learnt; what should be the first message he should receive from me after I am back?

**Baba:** Your *lokik* relatives are following BK path. (You wish to ask as to) What should be the message for those *lokik* relatives who follow the BK path?

**Student:** Yes.

**बाबाः** जो भी सच्चाई है सो बताना। सच्चाई तो सभी को पसन्द है। और मुरली ही तो सच्चाई है। मुरली के अलावा जो बातें मनमत सी बीके वालों ने मिक्स की हैं, वो ही डिस्ट्रक्टिव हैं।



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**जिज्ञासु:** मैंने आपका एक डायरेक्शन पढ़ा है.....यदि कोई व्यक्ति, कोई बीके अपना पोतामेल लिख रहा है, उसे क्या लिखना चाहिए? मुझे लूसी माता से एक चार्ट प्राप्त हुआ है जिसमें प्रश्न लिखे हुए हैं। मैंने अन्य मुरलियों में दैनिक पोतामेल के बारे में पढ़ा है। क्या ये एक ही है या अलग-अलग है?

**बाबा:** वो तो दिया हुआ चार्ट है। लेकिन डेली चार्ट देने से पहले जो सारे जीवन का चार्ट है शॉर्ट में वो होना चाहिए। होल लाईफ।

**जिज्ञासु:** क्या यह ऐसा कुछ है जो हमें आपको भट्ठी के बाद देना होता है?

**बाबा:** बिल्कुल। ये तो आपने......। बाबा ने थोड़े ही दिया। भट्ठी पूरी होने के बाद, निश्चय होने के बाद, एडवांस पर टोटल निश्चय होने के बाद, फिर पोतामेल देना है। डेली चार्ट बाद की बात है। वो सारी बातें उसमे दी हुई हैं।

**जिज्ञासु:** मेरी जीवन कहानी? संपूर्ण कहानी? जो मैंने बुरे काम किये हैं वो लिखना है या फिर क्या लिखना है जिससे वह अधिक प्रभावी हो?

**बाबा:** जीवन कहानी से संबंधित जो भी ऐसे अनुभव हैं जो अपने अंदर बार-बार याद आते रहते हैं। गलत बातें। जो हमको डिस्टर्ब करते – ऐसा क्यों हुआ? ऐसा नहीं होना चाहिए। ये न हुआ होता तो अच्छा था।

**Baba:** Tell them the truth, whatever it is. Everyone likes truth. And the Murli itself is the truth. Whatever BKs have mixed as per their mind's opinions apart from the Murli is destructive.
**Student:** I read one of your directions that…if a person, a BK is writing *potamail*, what should be…, I have received from Lucy mata a chart with questions, in other Murlis I have read something about daily *potamail*. Is it the same or something different?
**Baba:** That chart has been given. But before giving the daily chart, you should give in short the chart of the entire life first. Whole life.
**Student:** Is it something we are supposed to give you after bhatti?
**Baba:** Certainly. You said (about the daily chart). Baba did not give it. After completion of bhatti, after developing faith, after developing total faith on advance (knowledge), you have to give *potamail*. Daily chart is a later issue. All those things are mentioned in it.
**Student:** Story of my life? All story? Is it the bad things I have done or what exactly to make it more efficient?
**Baba:** All those experiences related to the life story which comes to our mind again and again. The bad things which disturb us – why did it happen like this? It should not have happened. It would have been better if this wouldn't have happened.

**समयः 27.45-32.40 (38.25)**

**जिज्ञासु:** यह प्रश्न मेरी बेटी का भी है। उसने मुझे भगवान और जानवरों के बारे में पूछा। क्योंकि शिवबाबा ने मुरलियों में समझाया है कि वे जानवरों की आत्माओं समेत सभी आत्माओं के पिता हैं। तो जानवरों के लिए इसका क्या महत्व है? क्या वे भगवान को कुछ हद तक जानते हैं? और नई दुनिया में जानवर कैसे होंगे? क्या सभी प्रजातियां होंगी या कुछ



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ही होंगी?

**बाबाः** भगवान जो है जिसको हम गॉड फादर कहते हैं, वो सिर्फ आत्माओं का पिता है, मनुष्यों का नहीं।

**जिज्ञासुः** क्या कोई अंतर नहीं है? सभी आत्मायें?

**बाबाः** है। जैसे बीजों में भेद होते हैं। बीज अनेक प्रकार के होते हैं। गेहूँ का बीज, आम का बीज। तो बीज अनेक प्रकार के, अनेक जाति के है। ऐसे ही आत्मा रूपी बीज अनेक प्रकार के हैं। उनमें श्रेष्ठ बीज है ह्यूमन बीइंग (human being).

**जिज्ञासुः** तो क्या इसका यह अर्थ है कि जानवर कुछ हद तक भी भगवान के अस्तित्व को नहीं जानते ?

**बाबाः** वो अगर भगवान को जान जायें तो फिर उनको ही भगवान आ करके ज्ञान सिखा दे। वो तो मनुष्यों को ही आकर सिखाता है। मनुष्य को मन है, जानवरों को मन नहीं है। नो माईंड, नो इंटलेक्ट; प्रॉपर इंटलेक्ट।

**Time: 27.45-32.40**

**Student:** This question has been asked by my daughter as well. She asked me about God and animals. …. because Shivbaba in murlis explained that He is Father of all souls including souls of animals. So, what it really means for animals? I mean are they aware a little about God? And how would the animals be in the new world? Will there be all species or just some of them?

**Baba:** God, whom we call God the Father; He is just the Father of souls and not of the human beings.

**Student:** Is there no difference?

**Baba:** There is. For example, there are different seeds. There are many kinds of seeds. [Just like] the seed of wheat, the mango seed . So, there are seeds of different types, of different species. Similarly, the seed like souls are of many kinds. And the elevated seed among them is the human being.

**Student:** So, does it mean that animals are not even at the smallest extent aware of existence of God?

**Baba:** If they become aware of God, then God should come and teach the knowledge only to them. He comes and teaches only the human beings. A human being has mind, animals don't have mind. *No Mind, no intellect;* no *proper intellect.*

**जिज्ञासुः** दूसरा प्रश्न सतयुग में जानवरों के बारे में था।

**दूसरा जिज्ञासुः** सतयुग में कौनसे-2 जानवर होंगे?

**बाबाः** अच्छे, सुख देने वाले। कोई भी दुःख देने वाला नहीं। मक्खी नहीं, मच्छर नहीं। कानों को सुख देने वाले, आँखों को सुख देने वाले। **स्मेल** (नाक) को सुख देने वाले।



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**Student:** The other question was about animals in the new world.
**The other student**: Which animals will exist in the Golden Age?
**Baba:** The nice ones, which give happiness. [There will be no animal] which gives sorrow. There won't be flies and mosquitoes. [There will be animals] which give joy to the ears, which give joy to the eyes, which give joy through smell (to the nose).

**समयः 33.40-37.10 (44.15)**
**जिज्ञासुः** हमें कर्मयोगी बनना है माना इन्द्रियों के द्वारा जो कर्म करते हैं, वो कर्म करते-करते हमें याद में रहना है। अगर हमें कर्मेन्द्रियों के द्वारा कोई काम करने की दरकार नहीं है....
**बाबाः** अगर? ऐसा होता नहीं।
**जिज्ञासुः** लेकिन हमारा माना लौकिक जो काम है ये काम बुद्धि से काम करना है तो उसी समय....
**बाबाः** ये दुनिया काम किये बगैर रह नहीं सकती।
**जिज्ञासुः** ये मेरा प्रश्न है कि अगर हमें.....
**बाबाः** आपका जो प्रश्न है वो रांग हो जाता है। अगर हमको कोई काम ही नहीं है इन्द्रियों का। लेकिन ऐसा होता नहीं। बिना काम किये इन्द्रियां रह नहीं सकती।

**Time: 33.40-37.10**
**Student:** We have to become a *karmayogi* (one who remembers Baba while performing actions). It means that we have to remain in remembrance while performing actions through the bodily organs. If we don't need to do any work through the bodily organs…
**Baba:** If? It does not happen like this.
**Student:** But my *lokik* job, it has to be done with the help of the intellect. So, at that time….
**Baba:** This world cannot continue without working.
**Student:** My question is, if we…
**Baba:** Your question is wrong. 'If we don't have any work to do through the organs at all' - but it does not happen like this. The organs cannot stop themselves from performing actions.

**जिज्ञासुः** ये समझ गई । लेकिन अगर हमें कोई उदाहरण के लिए कोई लौकिक काम है। ये काम ऐसा काम है जिसमें बुद्धि को लगाना पड़ता है। माना बुद्धि से ये काम करना है, तो उस समय कौनसा अभ्यास सबसे अच्छा है? क्योंकि ये बुद्धि जो है वो उस काम में लगाना होता है। माना बुद्धि से कोई काम करना होता है।
**बाबाः** रीडिंग करने का काम।
**जिज्ञासुः** हाँ।
**बाबाः** रीडिंग कर रहे हैं आँखों से रीडिंग हो रही है, मन कैच कर रहा है। तो उसमें कर्मेन्द्रिय भी काम कर रही है, मन भी काम कर रहा है। काम तो दोनों हो रहे हैं लेकिन साथ-साथ हमारी याद ऐसी है कि हम बाबा को साथ में रख सकते हैं। प्रैक्टिस की बात है।



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**Student:** I understood this. But for example, if we have a *lokik* work. The work is such that we have to focus our intellect on it. It means that we have to perform the task through the intellect. So, which practice is the best at that time? Because we have to use our intellect in that work. I mean to say, we have to do a work through the intellect.
**Baba:** The task of reading.
**Student:** Yes.
**Baba:** [Suppose,] you are reading. The work of reading is taking place through the eyes [and] the mind is catching [all that you are reading]. So, the bodily organs as well as the mind is working in it. Both the work are being done, but simultaneously, our remembrance is such that we can keep Baba with us. It is a matter of practice.

**जिज्ञासुः** कोई भी काम है, लौकिक। क्योंकि अलौकिक काम जब हम करते हैं तो वो सहज हो जाता है क्योंकि बाबा का काम है।
**बाबाः** लौकिक को ही अलौकिक बना देना।
**जिज्ञासुः** अलौकिक माना सेवा का काम।
**बाबाः** हां, सेवा का काम कर रहे हैं.... लौकिक काम को ही हम अलौकिक बना सकते हैं। हम अपना सारा जीवन ही अलौकिक बना सकते हैं। मान लो लौकिक रूप से हम जो काम कर रहे हैं उस काम से जो भी अर्निंग हो रही है वो अर्निंग सारी हमने ईश्वरीय सेवा में दे दी तो लौकिक ही अलौकिक हो गया।

**Student:** It could be any work, worldly [work]. When we do the alokik work, it becomes easy [to remember] because it is Baba's work.
**Baba**: Transform the *lokik* work to *alokik* work .
**Student:** *Alokik* means the work of service.
**Baba:** Yes, you are doing the work of service… We can transform *lokik* work into *alokik.* We can make our entire life *alokik*. Suppose, the *lokik* work that we are doing, whatever we are earning from that work, if we invest that entire earning in godly service, then the *lokik* [work] itself is transformed into *alokik.*

**जिज्ञासुः** ये तो अभ्यास की बात है।
**बाबाः** अभ्यास की बात है।
**जिज्ञासुः** कोई भी काम है माना जो बुद्धि से चल रहा है या इन्द्रियों से जरूर चल रहा है.... लेकिन जिसमें बुद्धि को लगाना होता है वो काम करते हुए भी बाबा को हमेशा सामने रखना है ये स्थिति....
**बाबाः** मन बुद्धि जिस काम में नहीं लगेगी, उस काम का कोई फल ही नहीं निकलेगा। कोई अच्छा बुरा, पाप-पुण्य नहीं बनेगा। मन-बुद्धि जब किसी काम में लगती है, तभी उसका पाप-पुण्य बनता है।


Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**Student:** This is about practice.
**Baba:** It is about practice.
**Student:** [Suppose] it is a work that is being done with the intellect or it is certainly being done with the bodily organs …. but [the work] in which we have to engage our intellect; even while doing that work, to keep Baba always in front of us… this stage…
**Baba**: There will not be any fruit of the work in which the mind and intellect is not used. It will not lead to accumulation of good or bad, sins or noble actions. Only when the mind and intellect is used in any work, it leads to sins and noble actions.

**समयः 37.25-42.36**

**जिज्ञासुः** (बाबा) इतने अक्सर दूर में क्यों जाते हैं?

**बाबाः** बाबा टूर में क्यों जाते हैं?

**जिज्ञासुः** हाँ, क्यों जाते हैं?

**बाबाः** इसके अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है। अगर टूर में नहीं जायेंगे तो कंसी, जरासंधी पीछे पड़ेंगे। अगर टूर में नहीं जायेंगे तो भस्मासुर पीछे पड़ेंगे। बी.के वालों का स्ट्रिक्टली विरोधाभास है। (जिज्ञासु ने कहा-ऐसा है?) हाँ, जी। ये तो अभी आप पूरा समझेंगे उसके बाद पता चलेगा ना। महाभारत लड़ाई है वो कहाँ की है? रामायण युद्ध है वो कहाँ का है? देवासुर संग्राम है वो कहाँ की यादगार है? एक जगह इकट्ठे हो जायेंगे, एक जगह खड़े हो जायेंगे, बैठ जायेंगे, अटैक हो जायेगा।...गन लेके।

**Time: 37.25-42.36**
**Student:** Why does [Baba] keep touring frequently?
**Baba:** (Do you mean to ask,) Why does Baba go on tour?
**Student:** Yes, why does he tour?
**Baba:** There is no other way. If he does not go on tour, the Kansis and Jarasindhis[1] will chase him. If Baba does not go on tour, Bhasmasur[2] will chase him. BKs are strictly opposing him. (Student said: is it so?) Yes. Only when you understand this fully you will know this. [You will understand:] The Mahabharata war is a memorial of which time? The Ramayana war is a memorial of which time? The war between the deities and demons is a memorial of which time? If He gathers at one place, if He stands at one place, if He sits at one place, they will attack. ….with a gun.

**जिज्ञासुः** ऐसा कौनसा बदलाव लाना होगा जो वे आपके पीछे पड़ना छोड़ दें?

**बाबाः** उनको समझाया जा सकता है। लेकिन समझाने से भी मानने वाले नहीं हैं। जैसे साधु-सन्यासी समझाने से भी मानते नहीं हैं। कोई साधु-सन्यासी बी.के नॉलेज को समझाने से मानता है क्या? ऐसे ही इधर भी है। वो मानने वाले नहीं है। उन्हें मान मर्तबा मिला हुआ है। मान मर्तबा को छोड़ेंगे क्या? आप अपना अनुभव बताइये इनको कि आप बी.के से पी.बी.के में

---
[1] Villainous characters in the Hindu mythology
[2] A demon who received a boon from his creator Shankar to burn to ashes (bhasm) anyone on whom he placed his palm, he ultimately tried to kill Shankar using the same boon.



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

आ गए फिर उसके बाद आप कितना हिम्मत करते हैं बी.के वालों को और उनके जो हेड्स हैं उनको समझाने की। वो फौरन कहेंगे गेट आउट।

**Student:** …. What has to change in order for them to stop chasing you?
**Baba:** They can be explained. But they will not accept it even after being explained. For example, the *sadhus* and *sanyasis* do not accept [the knowledge] even after being explained. Does any *sadhu* and *sanyasi* accept the Bk knowledge on being explained? It is a similar case here. They are not going to accept it. They have respect and position. Will they renounce their respect and position? Tell her about your experience that after you became a PBK from a BK, how much courage did you show to explain to the BKs and their heads.

**जिज्ञासुः** बाबा तरीका सही नहीं था । मेरी गल्ती है।

**बाबाः** क्या?

**जिज्ञासुः** कि वो नहीं समझ पाए।

**बाबाः** आपकी गल्ती है?

**जिज्ञासुः** ऐसा नहीं है?

**बाबाः** सिर्फ आपकी ही गल्ती है या सारे ही पी.बी.केज़ की गल्ती है?

**जिज्ञासु:** क्योंकि अगर तरीका सही होता… ।

**बाबा:** सारे ही पी.बी.केज़ की गलती है या सिर्फ आपकी या हमारी गलती है?

**जिज्ञासुः** ये तो बाबा सिखाते हैं कि अपनी जो गल्तियाँ हैं वो अपने अंदर सीखना चाहिए।

**बाबाः** उनके अंदर कमी है इसलिए उसे एक्सेप्ट नहीं कर सकते, ज्ञान को।

**Student:** Baba my method was not correct. It is my mistake.
**Baba:** What?
**Student:** That they could not understand.
**Baba:** Is it your mistake?
**Student:** Isn't it so?
**Baba:** Is it just your mistake or is it a mistake of all the PBKs?
**Student**: Because, had the method been correct….
Baba: Is it a mistake of all the PBKs or is it just your or my mistake?
**Student:** Baba teaches us, we should accept our mistakes, and learn from them.
**Baba:** There is a shortcoming in them; this is why they cannot accept it [i.e.] the knowledge.

**जिज्ञासुः** लेकिन ये भी बाबा बोलते हैं कि अगर हमारी स्थिति अच्छी है, जो…

**बाबाः** अगर हमारी स्थिति अच्छी हो जाए तो ५०० करोड़वीं आत्मा जो है, वो लक्ष्मी-नारायण के नज़दीक पहुँच जाएगी?

**जिज्ञासुः** नहीं पहुँच जाएगी।

**बाबा:** नहीं पहुच जायेगी। तो बस ऐसे ही है।

**जिज्ञासु:** ऐसे ही है । मुझे फिर भी ऐसा लगता है कि अगर हम सही तरीका अपनायें और हमारी स्थिति बन जायें…



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**बाबाः** सही तरीका भी अपनायेंगे तो भी जिनको स्वर्ग में नहीं आना है वो स्वर्ग में नहीं आयेंगे। उनकी लिमिटेशन है, स्वर्ग में आने वालों की।

**जिज्ञासुः** फिर भी थोड़ा अच्छा प्रभाव डाल सकते हैं। और उन पर अच्छा प्रभाव नहीं डाला गया उस समय। उनके अंदर क्रोध आ गया। और शायद डर आ गया।

**बाबाः** अब अच्छा प्रभाव डाल दिया जाए।

**Student:** But Baba also says, if our stage is good....
**Baba:** If our stage becomes good, will the soul numbering 500 *crore* (5 billionth) come close to Lakshmi-Narayan?
**Student:** It will not reach.
**Baba:** It will not reach. So, that's it, it is the same case [here].
**Student**: It is the same case. Still, I feel, if we adopt the correct method and we achieve our [perfect] stage ....
**Baba:** Even if we adopt the correct method, those who are not supposed to come to heaven will not come . There is a limitation of those who come to heaven.
**Student:** Still we can cast a good influence [over them]. But a good influence was not cast on them at that time. They became angry and perhaps they were afraid too.
**Baba:** Now you can cast a good influence.

**जिज्ञासुः** पुरुषार्थ कर रही हूँ। कोशिश कर रही हूँ। देखिये अभी उन लोगों से उतना मिलने का मौका नहीं है।

**बाबाः** मौका निकाला जाता है।

**जिज्ञासुः** मौका सामने आता है।

**बाबाः** प्रोग्राम बनाया जा सकता है।

**Student:** I am making *purusharth* [for it]. I am trying. Look, now I don't have much chance to meet those people.
**Baba:** Chances are created.
**Student:** Chances come in front of me.
**Baba:** A program can be made.

**समयः 43.25-43.40**

**जिज्ञासुः** बाबा आगे जाने के लिए पुरुषार्थ के लिए कुछ बताइये।

**बाबाः** ये पुरुषार्थ ही की तो बातें हो रही हैं। और क्या हो रही है? अच्छे से अच्छी सेवा करना ये पुरुषार्थ ही तो है।

**Student:** Baba, tell me something to go ahead in making *purusharth.*
**Baba:** These are the subjects of *purusharth* itself which are being discussed. What else are we discussing? Doing the best service is making *purusharth* itself.



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

**समयः 43.41-45.55**
**जिज्ञासुः** जहां तक ज्ञान का प्रश्न है पी.बी.केज़ के विरुद्ध ब्रह्माकुमारियों का क्या तर्क है? वे बाबा के पीछे क्यों पड़ते हैं? सबसे बड़ी बात कौनसी है?

**Time: 43.41-45.55**
**Student:** What is the argument of Brahmakumaris against PBKs when it comes to knowledge, why they chase Baba? What is the biggest fact?

**बाबाः** विरोध कहाँ करने के लिए उठाते हैं? बी.केज़ और पी.बी.केज़ का मुख्य विरोधाभास है – बी.केज़ के पास साकार में बाप नहीं है। वो मुरलियों के अनुसार बी.केज़ को एट द टाईम, प्रेज़ेंट टाईम (at the time, present time) वो बाप को साकार में मानते नहीं हैं। और पी.बी.केज़ जो हैं वो प्रैक्टिकल में अभी साकार में बाप को मान रहे हैं मुरलियों के अनुसार। बी.केज़ का कहना है कि दादा लेखराज ब्रह्मा वो अकेले ही गीता का भगवान है साकार में। माना कृष्ण की आत्मा ही गीता का भगवान है साकार में। पी.बी.केज़ का कहना है गीता का भगवान कृष्ण दादा लेखराज नहीं है। गीता का भगवान... शिव शंकर भोलेनाथ ही गीता का भगवाना है साकार में। यही विरोधाभास है।

**Baba:** They do not raise to oppose. The main contradiction between the BKs and the PBKs is that the BKs do not have the Father in a corporeal form. As per the murlis, the BKs do not accept the Father in a corporeal form at the time, present time. And the PBKs accept the Father now in practice as per the murlis. BKs believe that Dada Lekhraj Brahma alone is the God of the Gita in a corporeal form. It means that the soul of Krishna alone is the God of the Gita in a corporeal form. PBKs say that the God of the Gita is not Krishna, [i.e.] Dada Lekhraj. The God of the Gita….. Shiv-Shankar Bholenath himself is God of the Gita in a corporeal form. This is the very contradiction.

**समयः 46.01-49.05**
**जिज्ञासुः** यह प्रश्न मेरे परिवार , मेरे ससुर का है। उन्होंने मुझे पूछा है कि पी.बी.केज़ रोज क्लास में साकार मुरली क्यों पढ़ते हैं जो [दादा लेखराज द्वारा] सुनाई गई? मेरा जवाब क्या होना चहिए?
**बाबाः** क्योंकि दादा लेखराज में ही परमात्मा शिव आता है। उसका उत्तर यही सबसे अच्छा होगा कि ग़ॉड फादर शिव सिर्फ माता के द्वारा ही दूध पिलाता है ज्ञान का।
**जिज्ञासुः** शंकर मंथन करता है, समझाता है।
**बाबाः** हाँ, टीचर।
**दूसरा जिज्ञासुः** उनका प्रश्न है, जो मनन चिंतन करता है वो ही शंकर है क्या?
**बाबाः** हाँ। शंकर में गॉड फादर शिव प्रवेश करता है । पहले टीचर बनता है, बाप बनकरके वर्सा देता है और गुरु बनकरके सद्गति करता है। एक ही शरीर के द्वारा तीनों ही कार्य करता



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

है। माँ का कार्य नहीं। माँ का काम है ब्राह्मण बच्चे को जन्म देना। बच्चे की ज्ञान दूध से पालना करना।

**Time: 46.01-49.05**
**Student:** The question that I have got is from my family, my father-in-law, he asked me why the PBKs use during daily lessons, the sakar murlis which have been spoken [through Dada Lekhraj] What should be my answer?
**Baba:** It is because the Supreme Soul Shiva comes in Dada Lekhraj himself. The best answer for that (question) would be that God the Father Shiva makes us drink the milk of knowledge only through the mother.
**Student:** And Shankar is the one who is churning, explaining?
**Baba:** Yes, Shankar is also the father; God the Father Shiva enters Shankar. First He becomes a teacher. He gives the inheritance in the form of a father. And He brings about our true salvation in the form of a guru. He performs all the three tasks just through one body. He does not do the work of a mother. The work of a mother is to give birth to the Brahmins, to sustain the children with the milk of knowledge.

…………………………………………………………………………………………………
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.



Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info